IB DIPLOMA PROGRAMME
PROGRAMME DU DIPLÔME DU BI
PROGRAMA DEL DIPLOMA DEL BI

22070132

**HINDI A1 – STANDARD LEVEL – PAPER 2**
**HINDI A1 – NIVEAU MOYEN – ÉPREUVE 2**
**HINDI A1 – NIVEL MEDIO – PRUEBA 2**

Wednesday 16 May 2007 (morning)
Mercredi 16 mai 2007 (matin)
Miércoles 16 de mayo de 2007 (mañana)

1 hour 30 minutes / 1 heure 30 minutes / 1 hora 30 minutos

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

- Do not open this examination paper until instructed to do so.
- Answer one essay question only. You must base your answer on at least two of the Part 3 works you have studied. You may include in your answer a discussion of a Part 2 work of the same genre if relevant. Answers which are not based on a discussion of at least two Part 3 works will not score high marks.
- You are not permitted to bring copies of the works you have studied into the examination room.

INSTRUCTIONS DESTINÉES AUX CANDIDATS

- N'ouvrez pas cette épreuve avant d'y être autorisé(e).
- Traitez un seul sujet de composition. Vous devez baser votre réponse sur au moins deux des œuvres de la 3e partie que vous avez étudiées. Le cas échéant, vous pouvez inclure dans votre réponse une discussion sur une œuvre du même genre littéraire étudiée dans la 2e partie du programme. Les réponses qui ne sont pas basées sur au moins deux des œuvres de la 3e partie n'obtiendront pas une note élevée.
- Vous n'êtes pas autorisé(e) à amener des exemplaires des œuvres que vous avez étudiées dans la salle d'examen.

INSTRUCCIONES PARA LOS ALUMNOS

- No abra esta prueba hasta que se lo autoricen.
- Elija un tema de redacción. Su respuesta deberá basarse en al menos dos de las obras estudiadas en la Parte 3. Se podrán hacer comentarios sobre una obra de la Parte 2 del mismo género, si fuera necesario. Las respuestas que no incluyan una discusión sobre al menos dos obras de la Parte 3 no recibirán notas altas.
- No se permite traer a la sala de examen copias de las obras estudiadas.


© IBO 2007

नीचे लिखे हुए विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए। इस भाग में आपका उत्तर भाग ३ की पढ़ी हुई रचनाओं में से कम से कम दो रचनाओं पर आधारित होना चाहिए। आप भाग २ में पढ़ी हुई इसी प्रकार की कृतियों की व्यवहारिक चर्चा कर सकते /सकती हैं परन्तु ये भाग तीन में पढ़ी हुई दो कृतियों से अतिरिक्त होनी चाहिए। आप अन्य कृतियों की चर्चा कर सकते हैं परन्तु आपका निबन्ध इन पर आधारित नहीं होना चाहिए।

## कविता

या

१ **क** अपनी पढ़ी हुई दो कवियों की कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि मानवीय भावनाएँ जैसे कि आनन्द, निराशा, अभिलाषा, प्रेम इत्यादि को प्रस्तुत करने के लिए कवि ने कौन से साधनों एवं काव्य -तत्वों का प्रयोग किया है?

या

**ख** "कविता काल्पनिक होते हुए भी वास्तविक जीवन का यथार्थ चित्रण भी हो सकती है।" अपनी पढ़ी हुई किन्हीं दो कवियों की, दो या तीन कविताओं के आधार पर इस कथन के पक्ष में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

## उपन्यास

या

२ **क** आपके द्वारा पढ़े, दो या तीन उपन्यासों की तुलना करते हुए बताइए कि ग्रामीण तथा शहरी जीवन के चित्रण में उपन्यासकार कहाँ तक सफल और प्रभावशाली रहा है ?

या

**ख** जिन दो या तीन उपन्यासों को आपने पढ़ा है, उनके आधार पर बताइए कि उपन्यासकारों ने पारिवारिक जीवन एवं सम्बंधों को किस प्रकार दर्शाया है और वे इसमें कहाँ तक सफल रहे हैं?

**कहानी**

या

३ **क** अपनी पढ़ी हुई दो या तीन कहानियों के सन्दर्भ में कहानीकारों के कहानी कहने के ढंगों की तुलना करते हुए उनकी भाषा शैली के बारे में अपने विचार प्रकट कीजिए।

या

**ख** कहानी की सफलता में यथार्थ की अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण योगदान होता है। अपनी पढ़ी हुई दो या तीन कहानियों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

**नाटक**

या

४ **क** जिन दो नाटकों को आपने पढ़ा है, उनके आधार पर बताइए कि दृश्य विधान का संपूर्ण नाटक की प्रस्तुतीकरण पर क्या प्रभाव पड़ता है?

या

**ख** जिन दो या तीन नाटकों को आपने पढ़ा है, उनके संवाद पात्रों के विचार तथा भावनाओं को प्रस्तुत करने में कहाँ तक प्रभावशाली सिद्ध हुए हैं?

**निबंध**

या

५ **क** निबंध की संक्षिप्तता तथा भाषा शैली ही निबंध को प्रभावशाली बनाते हैं। अपने पढ़े हुए दो या तीन निबन्धों की तुलना कर बताइए कि क्या वे हिन्दी के प्रभावशाली निबन्ध माने जा सकते हैं?

या

**ख** निबंध वर्णनात्मक हो या विचारात्मक, पाठक के लिए उसका रोचक होना अनिवार्य है। अपने पढ़े हुए दो निबन्धों की विषय वस्तु के आधार पर समीक्षा करें।

**साधारण प्रश्न**

या

६ **क** किसी भी साहित्यिक रचना में लेखक के व्यक्तिगत विचार व उसकी निजी अनुभूतियॉ विभिन्न चरित्रों के माध्यम से पाठक के सामने आती हैं। दो या तीन रचनाओं पर विचार विमर्श करते हुए उपर्युक्त कथन की विवेचना कीजिए।

या

**ख** कोई भी साहित्यिक रचना समाज और जीवन की उपेक्षा कर श्रेष्ठ नहीं हो सकती।अपनी पढ़ी हुई दो या तीन रचनाओं के आधार पर बताइए कि लेखकों ने इसे प्रस्तुत करने के लिए किन साधनों का प्रयोग किया है।

या

**ग** अपनी पढ़ी हुई दो या तीन रचनाओं के आधार बताइए कि जीवन के संघर्ष में भाग्य और पुरूषार्थ को साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं में किस प्रकार वर्णित किया है?

या

**घ** जिन दो या तीन रचनाओं को आपने पढ़ा है उन पर विचार करते हुए बताइए कि इनकी विषयवस्तु के अंत को रचनाकारों ने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने में किस सीमा तक सफलता पाई है?

---